



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० १५]
No. 15]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल १८, १९८१/चैत्र २८, १९०३
NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 18, 1981/CHAITRA 28, 1903

हम भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न वरी जारी हैं जिससे कि यह भलग संकलन के लिए रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—चाप्ट ३—उप-चाप्ट (iii)
Part II—Sec. 3—Sub-sec. (iii)

(संघ राज्यकाल प्रशासनों को छोड़कर) केंद्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं
Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than
Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली, ९ मार्च, १९८१

आ० अ० ५६ :—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, १९८० में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए १५०-चरदा(अ० जा०) निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री नान्हु राम, प्रा० व पो० शीहा, बहराइच, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्यायों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

श्रीर घनः, उक्त उम्मीदवार ने, मम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास हम असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्र नहीं हैं;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा १०-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग प्रतद्वारा उक्त श्री नान्हु राम को मंसद के किसी भी भद्र के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा

विधान परिषद् के सदस्य बने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र० -विं स०/१५०/८०(२०)]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDERS

New Delhi, the 9th March, 1981

O.N. 56.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nanhu Ram, Village & P.O. Dihia, Bahraich, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 150-Charda (SC) constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nanhu Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/150/80(20)]

आ० अ० 57 :—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान ममाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 150-चर्चा (अ० जा०) निर्वाचन क्षेत्र: चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सूर्य लाल, ग्राम ऐलासपुर अग्रौया, पौ० मटोरा, बहराइच, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा नदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री सूर्य लाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० स०/150/80(21)]

O.N. 57.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Surya Lal, Village Alaspur Agaaiya, P.O. Matera, Bahraich, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 150-Charda (SC) constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Surya Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/150/80(21)]

नई विली, 12 मार्च, 1981

आ० अ० 58 :—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 41-देवरिया निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जगदम्बा, ग्रा० नदुआ, पौ० धोला पंडित, जिला देवरिया, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा नदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री जगदम्बा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० स०/41/80(4)]

New Delhi, the 12th March, 1981

O.N. 58.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jagdamba, Village Nadua, P.O. Dhola Pandit, District Deoria, a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 41-Deoria constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jagdamba to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/41/80(1)]

आ० अ० 59 :—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 41-देवरिया निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री अलाउद्दीन, ग्राम मोगलपुरा, पौ० मुमहरी, देवरिया, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा नदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री अलाउद्दीन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० स०/41/80(5)]

O.N. 59.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Alauddin, Village Mogalpura, P.O. Muchari, Deoria, a contesting candidate for general election to the House of the People held in January 1980 from 41-Deoria constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Alauddin to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/41/80(54)]

आ० अ० 60 :—यतः, निर्वाचित आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 40-विसौली निर्वाचित क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री धर्मदास, ग्राम दूसुर पो० आसफाबुर, जिला बदायूँ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचित व्यक्तियों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचित आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुमति में निर्वाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री विनोद कुमार को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस शास्त्रेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्हित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० स०/40/80(30)]

O.N. 60.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dharm Das, Village Dundpur, P.O. Asafpur, District Budaun, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 40-Bisauli constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dharm Das to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of his order.

[No. UP-LA/40/80(30)]

आ० अ० 61 :—यतः, निर्वाचित आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 40-विसौली निर्वाचित क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री विनोद कुमार, ग्राम व पो० इस्लामनगर, जिला बदायूँ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचित व्यक्तियों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचित आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

करण नहीं दिया है और निर्वाचित आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अ० 61: अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री विनोद कुमार को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस शास्त्रेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्हित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० स०/40/80(31)]

O.N. 61.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Vinod Kumar, Village & P.O. Islamnagar, District Budaun, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 40-Bisauli constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Vinod Kumar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/40/80(31)]

आ० अ० 62 :—यतः, निर्वाचित आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 81-मिश्रिक निर्वाचित क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कल्लू ग्राम व पो० टिकराटीकर, मीनापुर, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचित व्यक्तियों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचित आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री कल्लू को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस शास्त्रेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्हित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० स०/81/80(32)]

O.N. 62.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kallu, Village and P.O. Tikratikar, Sitapur, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 81-Misrik constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kallu to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/81/80(32)]

नई दिल्ली, 13 मार्च, 1981

आ० अ० 63 :—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 55-कावर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री दाता राम, ग्राम मसीहाबाद, डॉ मीरगंज, जिला बरेली, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री दाता राम को संसद के किसी भी सदन के या राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्गित घोषित करता है।

[मं० उ० प्र०-यि० म०/55/80(34)]

New Delhi, the 13th March, 1981

O.N. 63.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Data Ram, Village Masihabad, P.O. Mirganj, Distt. Bareilly, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 55-Kabar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Data Ram to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/55/80(34)]

नई दिल्ली, 16 मार्च, 1981

आ० अ० 64 :—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 28 सम्भल निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री हैदर अली, मो०

बरबार, संभल, जिला मुरादाबाद, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री हैदर अली को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्गित घोषित करता है।

[मं० उ० प्र०-यि० म०/28/80(37)]

New Delhi, the 16th March, 1981

O.N. 64.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Halder Ali, Mohalla Barwar, Sambhal, District Moradabad, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 28-Sambhal constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Halder Ali to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/28/80(37)]

आ० अ० 65 :—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 31-कुन्दर की निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री अतर सिह, ग्राम मुंडिया राजा, पो० चिनारी, जिला मुरादाबाद, लोक प्रतिनिधित्व 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री अतर सिह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा

अथवा विधान परिषद के मदस्य चुने जाने और होने के लिए इम आंदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[म० उ० प्र०-वि० स०/31/80(41)]

O.N. 65.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Attar Singh, Village Mundia Raja, P.O. Wilari, District Moradabad, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 31-Kunderki constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Attar Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/31/80(41)]

आ० अ० 66:—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए गाधारण निर्वाचन के लिए 32-मुरादाबाद पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सी० बी० सिंह, 27-सिंहिल थाईस, मुरादाबाद, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने से असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायांचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एनदूडारा उक्त श्री सी० बी० सिंह को सम्मद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के मदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आंदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[म० उ० प्र०-वि० स०/32/80(42)]

O.N. 66.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri C. B. Singh, 27 Civil Lines, Moradabad a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 32-Moradabad West constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri C.B. Singh to be disqualified for being chosen as, and for be-

ing, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/32/80(42)]

आ० अ० 67:—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 27-गणेश्वरी (अ० जा०) निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गगावासी, ग्राम संधन, तहसील सम्भल, जिला मुरादाबाद (उ० प्र०), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने से असफल रहे हैं,

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायांचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एनदूडारा उक्त श्री गगावासी को सम्मद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के मदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आंदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[स० उ० प्र०-वि० ग०/27/80(44)]

O.N. 67.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gangawasi, Village Sodhan, Tehsil Sumbhal, District-Moradabad (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 27-Gangeshwari (SC) constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure,

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gangawasi to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No. UP-LA/27/80(44)]

नई दिल्ली, 18 मार्च 1981

आ० अ० 68:—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 36-खन्नीलालाबाद निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम जी, ग्राम करमैनी, पा० नांगा, जिला अस्ती लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने से असफल रहे हैं;

ओर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस अमफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग की यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस अमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायांचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री राम जी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्हित घोषित करता है।

[म० उ० प्र०-ल०० म० / 36/80(10)]

New Delhi, the 18th March, 1981

O.N. 68.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Ji, Village Karmaini, P. O. Nogo, Distt. Basti, a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 36-Khalilabad constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Ji to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/36/80(10)]

आ० अ० 69:—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 36-खलीनावाद निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सन्त प्रसाद ग्राम मनिकापार, पौ० कर्णीबाजार जिला वस्ती, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्विन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

ओर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस अमफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस अमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायांचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री सन्त प्रसाद को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्हित घोषित करता है।

[म० उ० प्र०-ल०० म० / 36/80(11)]

O.N. 69.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sant Prasad, Village Manikapar, P. O. Koori Bajar, Distt. Basti, a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 36-Khalilabad constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sant Prasad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/36/80(11)]

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1981

आ० अ० 70:—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 332-कोंच (अ. जा.) निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री महेश कुमार, मौ. गाधीनगर, कोंच, जिला जलान, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्विन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ओर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस अमफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और नियमित आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस अमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायांचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री गुलाब सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्हित घोषित करता है।

[सं. उ. प्र.-वि. सं./382/80 (69)]

New Delhi, the 19th March, 1981

O.N. 70.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mahesh Kumar, Mohila Gandhi Nagar, Konch, District Jalaun, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 332-Konch (SC) constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mahesh Kumar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/332/80(59)]

आ. अ. 71.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 24-काठ निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गुलाब सिंह, ग्रा. मीरा सराय, डा. अगरोहा, जिला मरादाबाद, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टोकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री गुलाब सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. उ. प्र.-वि. स./24/80 (61)]

O.N. 71.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gulab Singh, Village Mira Sarai, P. O. Amroha, District Moradabad, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 24-Kanthal constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gulab Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-TA/24/80(61)]

आ. अ. 72.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 24-काठ निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री नरउद्दीन, काजी सराय उर्फ काकर सराय, मरादाबाद लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टोकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री नरउद्दीन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. उ. प्र.-वि. स./24/80 (62)]

O.N. 72.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nuruddin, Kazi Sarai Uif Kankar Sarai, District-Moradabad, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 24-Kanthal constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nuruddin to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/24/80(62)]

आ. अ. 73.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 24-काठ निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री महेन्द्र पिंड, नौगांवा तंगा अहमदपुर गढ़वाली, पो. नौगांव, जिला मरादाबाद, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टोकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री महेन्द्र पिंड को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. उ. प्र.-वि. स./24/80 (63)]

O.N. 73.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mahendra Singh, Naugawa taga Ahmadpur Gawandi, P. O. Naugawa, District-Moradabad, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 24-Kanthal constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mahendra Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/24/80(63)]

आ. अ. 74.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 24-काठ निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने

वाले उम्मीदवार श्री रिजवान अहमद, गढ़ी, जिला मूरावाबाद, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्यवों का कोई भी लेख दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यह : उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो रहा है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायालिक नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री रिजवान अहमद को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान सभा के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेदन की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं. उ. प्र.-वि. स./24/80 (64)]

O.N. 74.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rizwan Ahmad, Garhi, District Moradabad, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 24-Kanthal constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Rizwan Ahmad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/24/80(64)]

आ. अ. 75.—यह : , निर्वाचन आयोग का गमाधान हो रहा है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 24-कांठ निर्वाचन क्षेत्र से अनावृद्धमें वाले उम्मीदवार श्री मोहरपाल सिंह जा. व. पो. बरगाड़ा, बदाया लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्यवों का कोई भी लेख दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यह : , उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो रहा है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायालिक नहीं है ;

अतः अब, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो रहा है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायालिक नहीं है ।

[सं. उ. प्र.-वि. स./24/80 (65)]

O.N. 75.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Har Gobind Singh, Jova, District-Moradabad, a contesting candidate for general election to the Uttar

Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 24-Kanthal constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Har Gobind Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/24/80(65)]

नई दिल्ली, 23 मार्च, 1981

आ. अ. 76.—यह : , निर्वाचन आयोग का समाधान हो रहा है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 44-बदाया निर्वाचन क्षेत्र से अनावृद्धमें वाले उम्मीदवार श्री मोहरपाल सिंह जा. व. पो. बरगाड़ा, बदाया लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित समग्र के अन्वर तथा मील से दाने निर्वाचन व्यवों का लेख दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यह : , उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो रहा है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायालिक नहीं है ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री मोहरपाल सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान सभा के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेदन की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं. उ. प्र.-वि. स./44/80 (75)]

New Delhi, the 23rd March, 1981

O.N. 76.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Moharpal Singh, Village & P. O. Barsua, Budaun, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 44-Budaun constituency has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Moharpal Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/44/80(75)]

नई दिल्ली, 24 मार्च, 1981

आ. अ. 77.—यतः, निवाचित आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निवाचित के लिए 56-बहेड़ी निवाचित क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कंचन सिंह, ग्राम-डा. मुदिया नवी दस्स, तहसील बहेड़ी, जिला बरेली, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निवाचित व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं।

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निवाचित आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायालिक नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निवाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री कंचन सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्हित घोषित करता है।

[सं. उ.प्र.-वि.स./56/80 (81)]

New Delhi, the 24th March, 1981

O.N. 77.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kanchan Singh, Village & P. O. Mudiyा Navi Baksh, Tehsil Baheri, District Bareilly, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 56-Baheri constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kanchan Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/56/80(81)]

आ. अ. 78.—यतः, निवाचित आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निवाचित के लिए 56-बहेड़ी निवाचित क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री तनबीर अहमद, कस्बा रिढ़ा, तहसील बहेड़ी, जिला बरेली, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निवाचित व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं।

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया और निवाचित आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायालिक नहीं है:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निवाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री तनबीर अहमद को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्हित घोषित करता है।

[सं. उ.प्र.-वि.स./56/80 (82)]

O.N. 78.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Tanvir Ahmad, Kasbu Richa, Tehsil Baheri, District Bareilly, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 56-Baheri constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Tanvir Ahmad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/56/80(82)]

नई दिल्ली, 27 मार्च, 1981

आ. अ. 79.—यतः, निवाचित आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निवाचित के लिए 31-जालन्दर केन्द्रीय निवाचित क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री पूरण चन्द, मकान नं. 275, डल्लू, झी. अली मोहल्ला, जालन्दर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निवाचित व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निवाचित आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायालिक नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निवाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री पूरण चन्द को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्हित घोषित करता है।

[सं. पंजाब-वि.स./31/80 (60)]

New Delhi, the 27th March, 1981

O.N. 79.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Puran Chand, H No 275, W.D. Alli Mohalla, Jullundur, a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 31-Jullundur Central constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Puran Chand to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-T A/31/80(60)]

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1981

आ. अ. 80.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 111 के अनुसरण में निर्वाचन आयोग, 1980 की निर्वाचन अर्जी सं. 1 में दिया गया उच्च न्यायालय हरियाणा व पंजाब, चंडीगढ़ की तारीख 20-2-81 की रिपोर्ट प्रकाशित करता है।

[म. 82/हरि.-लो. म./1/80]

आदेश में,

ओ. ना. नागर, अवर मंचित्र

New Delhi, the 31st March, 1981

O.N. 80.—In pursuance of section 111 of the Representation of the People Act, 1951(43 of 1951), the Election Commission hereby publishes the report dated 20-2-81 of the High Court of Judicature of Punjab and Haryana at Chandigarh in Election Petition No. 1 of 1980.

BEFORE THE HIGH COURT OF PUNJAB AND HARYANA AT CHANDIGARH

Election Petition No. 1 of 1980

Presented on 21-2-1980

Petitioner(s) Shri Chhutmal and 10 others.

Versus

Respondent (s) Shri Tayyab Hussain and 9 others.

Dated 22-2-1981

Notice of the application for withdrawal has been published in the Official Gazette as also in the Daily Hindustan Times dated January 6, 1981. No elector has come forward with a prayer to be substituted as petitioner in place of the election petitioners. There is nothing on the file to suggest that the withdrawal application has been induced by any bargain or consideration. Vide my order dated November 14, 1980, I had permitted the election petitioners to withdraw the election petition. Since the election petitioners' prayer for withdrawal has been granted and no elector has made a prayer for being substituted in their place, I dismiss this election petition as withdrawn. The report of withdrawal in terms of section 111 of the Representation of People Act, 1951, be sent to the Election Commission of India.

Hon'ble Mr. Justice
Sd/- S. S. Kang.

[No. 82/HN-HP/1/80]

By Order.

O. N. NAGAR, Under Secy.
Election Commission of India

आदेश

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1981

आ. अ. 81.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में द्वाएँ तामिलनाडु विधान सभा के लिए सामाजिक निर्वाचन के लिए 225-तिरुचन्तुर सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जी. ए. टी. जोहन ब्रिट्टू पत्र अब्राहीम थानागाराज, तिरुचन्तुर (तामिलनाडु), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार में, उसे सम्यक सम्भाना दिए जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा साझेकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री जी. ए. टी. ब्रिट्टू को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य बने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्हित घोषित करता है।

[सं. त. न. -वि. म./225/80 (83)]

ORDERS

New Delhi, the 10th March, 1981

O.N. 81.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri G. A. T. Johan Britto S/o Shri Abiraham Thangaraj, Tiruchendur (Tamil Nadu) a contesting candidate at the general election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in May, 1980 from 225-Tiruchendur Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri G. A. T. Britto to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No. EN-LA/225/80(83)]

नई दिल्ली, 28 मार्च, 1981

आ. अ. 82.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में द्वाएँ तामिलनाडु लोकसभा के लिए सामाजिक निर्वाचन के लिए 13-धर्मपारी निर्वाचन क्षेत्र ने चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सी. गणेशन, कोन्डाहररहल्ली, टिप्पी रेडी हल्ली पोस्ट, (ताया) बोमिम्मडी (तामिलनाडु) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिए गए अभ्यायेदन पर विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्हित घोषित करता है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री सी. गणेशन, को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य बने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्हित घोषित करता है।

[सं. त. ना./लो. स./13/80 (19)]

आदेश में,

वी. के. राव, अवर मंचित्र, भारत निर्वाचन आयोग

New Delhi, the 28th March, 1980

O.N. 82.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri C. Ganesan, Kondaharahalli, Tippireddihalli Post, (Via) Bommi, (Tamil Nadu) a contesting candidate for general election to the House of People held in January, 1980 from 13-Dharmapuri Parliamentary Constituency, has failed to lodge an account of the election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder :

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri C. Ganesan to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-HP/13/80(19)]

By order,

V. K. RAO, Under Secy.
Election Commission of India.

आदेश

नई दिल्ली, 11 मार्च, 1981

आ. अ. 83.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 228-मुलताई निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री ठाकुर रामेश्वर सिंह, मू. पो. चिक्किल कला, तहसील मुलताई, जिला बैतूल (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उक्त पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकात्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त उम्मीदवार ने, किसी राज्य की विधान सभा के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरीदित घोषित करता है ।

[सं. म. प्र.-वि. स./268/80 (11)]

ORDERS

New Delhi, the 11th March, 1981

O.N. 83.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Radheysham Sharma, Village and Post Dhanai, District-Indore, (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 268-Depalpur constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure :

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said

Shri Radheysham Sharma to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/268/80(11)]

नई दिल्ली, 16 मार्च, 1981

आ. अ. 84.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 228-मुलताई निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री ठाकुर रामेश्वर सिंह, मू. पो. चिक्किल कला, तहसील मुलताई, जिला बैतूल (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकात्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त उम्मीदवार की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री ठाकुर रामेश्वर सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरीदित घोषित करता है ।

[सं. म. प्र.-वि. स./228/80 (12)]

New Delhi, the 16th March, 1981

O.N. 84.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Thakur Rameshwar Singh, at Post Chiklikala, Tehsil-Multai, District-Betul, (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 228-Multai constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder :

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reasons or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Thakur Rameshwar Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/228/80(12)]

नई दिल्ली, 17 मार्च, 1981

आ. अ. 85.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 15-नन्दूरबार (अ. ज. जा.) निर्वाचन-क्षेत्र से अमावस्या लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गयत्री रूप सिंह नरसी, मू. व डा. नटवाड़ा, तहसील नन्दूरबार, जिला धूले (नाशिरापुर) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री गांधीत रूप सिंह नरसी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. महा.-लो. स./15/80 (46)]

New Delhi, the 17th March, 1981

O.N. 85.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gavit Rupsing Narshi, at and Post Natawad, Sehsil Nandurbar, District Dhule, Maharashtra a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 15-Nandurbar (ST) Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gavit Rupsing Narshi to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-HP/15/80(46)]

नई दिल्ली, 25 मार्च, 1981

आ. अ. 86.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए गुजरात विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 91-पाटन निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गांधी हसमूखलाल अमनलाल, गोलाघरी, पाटन, जिला महासना (गुजरात) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वालिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री गांधी हसमूखलाल अमनलाल को संसद के किसी भी सदन के या राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. गुज-वि. स./91/80 (44)]

New Delhi, the 25th March, 1981

O.N. 86.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gandhi Hasmukhlal Chimanlal, Golesheri, Patan, District Mahesana (Gujarat) a contesting candidate for general election to the Gujarat Legislative Assembly held

in May, 1980 from 91-Patan Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gandhi Hasmukhlal Chimanlal to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. GJ-LA/91/80(44)]

आ. अ. 87.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए गुजरात विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 91-पाटन निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री देवचन्द्र भाई पटेल (सन्देरखाला) ग्राम सन्देर, तालुका पाटन, जिला महासना (गुजरात) लोक प्रति-निर्भित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वालिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री देवचन्द्र भाई पटेल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. गुज/वि. स./91/80 (45)]

O.N. 87.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shree Devchandbhai Patel (Sanderwala) village Sander, Taluka Patan, District Mahesana (Gujarat) a contesting candidate for general election to the Gujarat Legislative Assembly held in May, 1980 from 91-Patan Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or jurisdiction for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shree Devchandbhai Patel (Sanderwala) to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. GJ-LA/91/80(45)]

नई दिल्ली, 27 मार्च, 1981

आ. अ. 88.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए गुजरात विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 41-मालीया निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री लुमागरिया फुल सामज़, मैवासा

(कामरीबाई) शक्तिसाना विरपुर, तालुका जूनगढ़, जिला जूनगढ़ (गुजरात) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकात्त्व नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री लूमागरिया फूल सामज को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. गुज-वि. स./41/80 (46)]

New Delhi, the 27th March, 1981

O.N. 88.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Lunagariya Fula Samju Mavasa (Kamaribai), Post Virpur Taluka Junagadh, District Junagadh (Gujarat) a contesting candidate for general election to the Gujarat Legislative Assembly held in May, 1980 from 41-Maliya Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Lunagariya Fule Samju to be disqualified for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. GJ-LA/41/80(46)]

आ. अ. 89.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में द्वारा महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 142-तुमसार निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कोरडे जगदीश आत्माराम, मु. अ. जाम्ब, तहसील और जिला भंडारा (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकात्त्व नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री कोरडे जगदीश आत्माराम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. महा-वि. स./142/80 (26)]

O.N. 89.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Korde Jagdish Atmaram, At Post Lamb, Tehsil and District Bhandara (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 142-Tumsar Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Korde Jagdish Atmaram to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/142/80(26)]

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1981

आ. अ. 90.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जमवरी, 1980 में द्वारा लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 19-चितौड़गढ़ निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भूपाल सिंह, द्वारा कोठारी चिकित्सालय, चितौड़गढ़ (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकात्त्व नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री भूपाल सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. राज-लो. स./19/80 (25)]

New Delhi, the 30th March, 1981

O.N. 90.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhupal Singh C/o Kothari Chikitsalaya, Chittorgarh (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 19-Chittorgarh constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhupal Singh to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-HP/19/80(25)]

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1981

आ. अ. 91—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 106 के अनुसरण में निर्वाचन आयोग, सन्-

1980 की निर्बाचन अर्जी संख्या 1 में दिए गए अहमदाबाद उच्च-न्यायालय के तारीख 22 जनवरी, 1981 के निणय को एतक्षारा प्रकाशित करता है।

[सं. 82/गुज-(1/80)/81]

आदेश से,

धर्मबीर, अवर सचिव भारत निर्बाचन आयोग

New Delhi, the 31st March, 1981

O.N. 91.—In pursuance of section 106 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), the Election Commission hereby publishes the order pronounced on 22nd January, 1981 by the High Court of Judicature at Ahmedabad in Election Petition No. 1 of 1980.

**IN THE HIGH COURT OF GUJARAT AT
AHMEDABAD**

DISTRICT BHAVNAGAR

Election Petition No. 1 of 1980

In the matter of Section 80 of the Representation of People Act, 1951 ;

Sarvaiya Reghuvisingh Mahipatsinh aged about 28, Occ : Agriculturist, Residing at Village Navikamrol, Tal : Talaja, District Bhavnagar—Petitioner.

Versus.

1. Gohil Gigabhai Bhavubhai Residing at Khani, Post Galthar, Tal : Mahuva, District Bhavnagar.
2. Ghadhavi Nagrubha Apabhai, Adult, Occ : Agriculturist, Residing at 'Somnath' Village Talaja, District Bhavnagar—Respondents.

ELECTION PETITION NO. 1 OF 1980

22nd January, 1981

MR. N. H. BHATT.

Petitioner Party in person present.

Mr. A. P. Ravani, Advocate for the respondent No. 1.
Mr. K. S. Vakharia, for Mr. B. B. Oza, Advocate for the respondent No. 2.

Coram : N. H. Bhatt, J.

(22nd January, 1981)

ORAL JUDGMENT

This is an election petition filed by one voter of the 8-Bhavnagar Parliamentary Constituency from which the respondent No. 1 Mr. Gohil Gigabhai Bhavubhai was declared elected in the election held on 7th January 1980. The election is sought to be set at naught on the ground that the respondent No. 2 one Mr. Ghadhavi Nagrubha Apabhai who had filed his nomination paper as one of the contestants, was not able to participate in the election on the ground that his nomination paper was unlawfully and wrongly rejected by the Returning Officer.

It is alleged in that election petition itself that this High Court has got the power to set aside the election and to declare the election of the returned candidate to be void as per ground (c) of sub-section (1) of Section 100 of the Representation of the People Act, 1951. The said section provides that if the High Court is of the opinion..... (c) that any nomination has been improperly rejected..... the High Court shall declare the election of the returned candidate to be void. How that rejection of the nomination paper is said to be bad at law requires to be set out in detail in the light of the contentions raised in the petition and also on the basis of evidence adduced in this case. The respondent No. 2 has examined himself in this case as the first witness at Exhibit 7. The Assistant Returning Officer-cum-Mamlatdars evidence is at Exhibit 15 and one public servant who had acted as an enumerator in the process of preparation of the electoral roll is one Mr. Arviadkumar Kuberdao Bhatt, an

employee of the Talaja Nagar Panchayat whose evidence is to be found at Exhibit 12. The order of rejection of the nomination paper of the respondent No. 2 is to be found at Exhibit 8. The respondent No. 2 admittedly was a voter as noted in the electoral roll prepared in the year, 1975. It appears that at that time he was staying in Ward No. 5 but at some other address and his name was noted in that electoral roll of the year 1975 as a person at that particular address. When the new Parliamentary elections were notified in the later half of the year 1979, electoral roll was ordered to be prepared which by the Election Commissioner Mamlatdar was appointed as the Assistant Registration Officer under the provisions of the Representation of the People Act, 1950. The services of various officers as enumerators were spared and those officers moved from house to house in order to collect the first hand information about the possible electors. The Assistant Returning Officer then prepared the roll, got an erratum prepared and also got a deletion list repeated and the whole document consisting of the initial electoral roll erratum and deletion list was notified to the public on 19th October 1979. Obviously this was done with a view to invite the public for inclusion of their names or correction of mistakes or objection, if any, to the inclusion of names in the electoral roll. 3rd November 1979 or some such date nearby was notified as the last date by which applications for inclusion or correction or objections to the insertion of names were to be made. Nothing of the sort having been done by the people by the due date, the final electoral roll was published on 30th November 1979 which is Exhibit 19 on the record but this Exhibit 19 is a part of the whole electoral roll for the constituency and it concerns only Talaja Constituency with which we are concerned in this petition. The respondent No. 2 filed the nomination paper in the form of nomination which he filed in, he had mentioned his number in the electoral roll of 1975. These things he has admitted very specifically in the course of his examination-in-chief itself at his deposition Exhibit 7. I emphasize this factual aspect at this stage in order to show that all labyrinthine sought to be made out ultimately turned out "much ado about nothing" in this case. This admission shows that when the petitioner filed his nomination paper, he was all the while under the impression that the electoral roll of 1975 alone was in operation.

After his nomination paper had been filed, the respondent No. 2 realised that his name was not finally published in the electoral roll and so he had rushed to this Court on 10th December, 1979 and filed the Special Civil Application No. 3333 of 1979 praying for a direction to cancel the list of deleted voters and enjoin upon the Assistant Registration Officer to complete the electoral roll of Bhavnagar Parliamentary Constituency and publish it again and for a direction restraining the respondent of that petition from rejecting his nomination papers filed by him for his candidature for the Bhavnagar Parliamentary Constituency. The petition was rejected by S. H. Sheth, J., as he then was, holding that the Court had no jurisdiction under Article 226 of the Constitution of India. But the Court had made certain observations which obviously cannot have any force of law. The scrutiny of the nomination papers which was fixed on 11th December, 1979 could not be taken up by the Assistant Returning Officer on that day because of the interim stay granted by this Court and so it was taken up on 12-12-1979. The Assistant Returning Officer then passed the order rejecting the four nomination papers of the respondent No. 2 vide Exhibit 8. The Returning Officer states as follows :

"The name of Shri Nagrubha Apabhai Ghadhavi has been enrolled in the electoral rolls of 1975 at Serial No. 143 of Part No. 79/143 of Talaja Assembly Constituency comprised in 8-Bhavnagar Parliamentary Constituency. Thereafter, during the revision of Electoral roll in the year of 1979, his name appeared in the list of deletion of 1979 in Part No. 79/145 of the said Assembly Constituency. Hence, therefore, he does not continue as an elector. According to the provisions of Section 4(d) of the Representation of People Act, 1951 the candidate shall be an elector for any Parliamentary Constituency. Shri Nagrubha Apabhai Ghadhavi is neither an elector of 8-Bhavnagar Parliamentary Constituency nor he has produced any evidence showing that he is an elector

of any other Parliamentary Constituency. Thus, he is not qualified for membership of the House of People as provided under Sec. 4(d) of the Representation of People Act, 1951.

In view of the reasons stated above, I hereby ordered to reject the nomination paper filed by Shri Nagrubha Apabhai Gadhavi."

Then this election petition came to be filed on 19th February, 1980 by one Mr. Sarvaiya Hemantinh Amubha. Since the said Hemantinh Amubha died pending the proceedings a public notice was issued in that connection and the present petitioner Shri Sarvaiya Raghuvireinh Mahipatainh the alleged supported of the respondent No. 2 came forth to get himself to be substituted as the petitioner. Vide the order passed by me in the Civil Application No. 2 of 1980 in this election petition No. 1 of 1980. The say of the respondent No. 2, who is the only person now in the areas because of the petitioner having set on the fence after the respondent No. 2 gave his evidence, was that the enumerator Mr. Bhatt had gone to his house and had noted that in the family of the respondent No. 2 he and his wife were the voters. The enumerator had, therefore, given a slip, Exhibit 13, and taken on the slip the signature of the daughter of the respondent No. 2. However, for some reasons, the electoral Registration Officer found that the name of the respondent No. 2 could not be brought on the electoral roll and so in the provisional roll that was published on 19th October, 1979 he appended the deletion list to suggest that the respondent No. 2's name was not to be included in the electoral roll subject to some objections coming forth. As stated above, neither the respondent No. 2 nor any person went to the Assistant Returning Officer with a prayer that the respondent No. 2 was wrongly mentioned in the deletion list and the final list came to be published. It was only the reproduction of the earlier provisional list which included on erratum and deletion. In this final list also, the name of the respondent No. 2 was mentioned in erratum but it also continued to be there on the deletion list. It was, therefore, understood that for all practical purposes the respondent No. 2's name was not there in the electoral roll. The respondent No. 2 was all unawares of this provisional electoral roll and the final electoral roll.

The question and the only question that has been agitated before me at the time of hearing is whether the name of the respondent No. 2 was rightly notified as deleted from the electoral roll or not. The second question that has been raised as an ancillary one is whether this Court setting as the Election Tribunal under the Representation of the People Act, 1951 can go behind the electoral roll.

As far as the respondent No. 2's posture of his being innocent is concerned, I say that he had tried to avail himself of the belated thought developed by him with a view to see that the accidental nothing by the enumerator in the form of Exhibit 13 and the accidental conjoint publication of the erratum and the deletion list can be turned to account by him to afford him the fresh chance of contest for the Parliamentary seat. He cannot be said to have been prejudiced on account of what was done by the enumerator or by the Assistant Returning Officer. The latter treated the deletion list as having over powering effect and the final voice in the matter of the electoral roll. All the while emphasis was laid on behalf of the respondent No. 2 on the factum that his name was there on the erratum both in the provisional and final list as published by the Assistant Returning Officer. But the simultaneous annexation of the deletion list on both the occasions cannot be ignored. The effect of the annexation of the deletion list in both the publication should be interpreted to mean that it was the last word in the matter of the electoral rolls. At any rate it was so treated by the Assistant Returning Officer and in the facts and circumstances of the cases, it appears that he was right in doing so. The petitioner who was not at all aware of what had happened at those stages cannot be allowed to capitalise on the innocent slips, if any made by the Assistant Returning Officer. I call slips in the sense irregularities and not a violation of any mandatory rule of law.

In the case of Nripendra Bahadur Singh v. Jai Ram Verma and others, reported in AIR 1977 SC 1992, the Supreme Court has laid down as follows :

"The finality of the electoral roll cannot be challenged in an election petition even if certain irregularities had taken place in the preparation of the electoral roll or if subsequent disqualification had taken place and the electoral roll had on that score not

been corrected before the last hour of making nominations. After that dead line the electoral roll of a constituency cannot be interfered with and no one can go behind the entries except for the purpose of considering disqualification under Section 16 of the 1950 Act. In the case in question the persons whose names were recorded in the electoral roll and participated in the voting were not disqualified under Section 16 of the 1950 Act. That being the position it would have been wrong on the part of the Presiding Officer not to allow the voters whose names were recorded in the electoral roll of the constituency to participate in the voting, even though their names could have been earlier at the appropriate time legitimately excluded from the electoral roll. These voters are electors within the meaning of Section 2(1)(a) of the 1951 Act and were entitled to vote under Section 62 of the 1951 Act.

In a democracy and for that matter in an election, perennial vigilance should be the watch-word for all. If, therefore, notwithstanding the provisions of the law, appropriate notion was not taken at the appropriate time, the provisions of the election law which have got to be construed strictly, must work with indifference to consequences, immediate or mediate. On the part of the officers also it will vitalise and invigorate a healthy democratic practice if charged with the electoral duties, demanding high probity, they neither exhibit rank remissness nor accelerated alacrity apt always to breed suspicion of partisanship.

It could not be contended that the deliberate omission of S. 21 in Section 27(2)(e) is significant and no finality is intended in the case of electoral roll for a council Constituency in Part IV of the 1950 Act. The proviso to Section 21(2) relates to revision of an electoral roll and sets at rest any possible controversy in case there happens to be no revision of electoral rolls for one reason or other. The proviso, therefore, has been advisedly inserted in Section 21(2) with a specific purpose of forestalling a situation. The case caution is not necessary in the case of preparation of electoral rolls under Section 27(2), the alterations whereof are concomitant with statutory transformations of the local Acts. If any modicum of caution is yet necessary even that is preserved by S. 23(3) which is made applicable, in terms, under Section 27(2)(a). In the circumstance the setting aside of election was illegal".

The law on this point is too clear to call for any elaboration. In the above facts and circumstances, I find little merit in this election petition which is hereby dismissed with no order as to costs because Mr. A. P. Ravani, the learned advocate appearing for the contending respondent No. 1, does not press for costs.

[No. 82/GJ/(1/80)/81]

By Order.

DHARAM VIR, Under Secy.
Election Commission of India

अधिसंचयन

नई विल्ली, 1 अप्रैल, 1981

आ. आ. 82.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की भारत 13क की उपधारा 1 (1) द्वारा प्रदत्त शर्वितयों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग, उत्तर प्रदेश सरकार के परामर्श में श्री आर. मी. देव. शर्मा के स्थान पर श्री जगदीश चन्द्र घन्त, सचिव, हरिजन महायक नथा समाज कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश को उनके कार्य भार सम्भालने की तारीख से अगले आदेशों तक उत्तर प्रदेश राज्य के मरण नियन्त्रित अधिकारी के रूप में एटदबुवारा नाम निर्देशित करता है।

[सं. 154/उ.प्र./81]

आदेश से,

के. गणेशन, सचिव, भारत निर्वाचन आयोग

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st April, 1981

O.N. 92.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Uttar Pradesh hereby nominates Shri J. C. Pant, Secretary, Harijan Sahayak and Social Welfare Department, Uttar Pradesh as the Chief Electoral Officer for the State of Uttar Pradesh with effect from the date he takes over charge and until further orders vice Shri R. C. Deo Sharma.

[No. 154/UP/81]

By Order,

K. GANESAN, Secy.,
Election Commission of India

आवेदन

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 1981

आ. अ. 93.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि अक्टूबर 1979 में हुए सिविकम विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 29-असम लिन्पो निर्वाचन क्षेत्र से चनाव हड्डने वाले उम्मीदवार श्री फ़ूचंग शेरिंग रंगपो (लिंगे) पूर्ण मिक्रिकम लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा लहूधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं।

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायालीकरण नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अन्तरण निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री फ़ूचंग शेरिंग को संसद के किसी भी मद्दन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के मद्दस्ता चने जाने और होने के लिए इस आदेश वी तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. 76/मिक्रिकम-क्र. स./29/79]

ORDERS

New Delhi the 1st April, 1981

O.N. 93.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Phuchung Tshering, Rangpo (Lingjey), East Sikkim, a contesting candidate for general election to the Sikkim Legislative Assembly held in October, 1979 from 29-Assam election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the due notice, has not given any reason or explanation for the failure and

the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Phuchung Tshering to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. 76/SKM-LA/29/79]

आ. अ. 94.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी 1980 में हुए विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 1-खुन्द्राकपम निर्वाचन क्षेत्र से चनाव हड्डने वाले उम्मीदवार श्री लेटानथेम सागोर, वैटोन, मणिपुर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा लहूधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं।

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायालीकरण नहीं है;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अन्तरण निर्वाचन अयोग एतद्वारा उक्त श्री लेटानथेम सागोर को संसद के किसी भी मद्दन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुना जाने और होने लिए इस आदेश का तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. 76/मणिपुर-वि. स./1/80]

आवेदन से,

सतीश चन्द्र जैन, अवर सचिव, भारत निर्वाचन आयोग

O.N. 94.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Leitanthem Sagor, Waiton, Manipur, who was a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly from I. Khundrakpum held in January, 1980 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Leitanthem Sagor to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. 76/MR-LA/1/80]

By Order,

S. C. JAIN, Under Secy.
to the Election Commission of India